

श्री राम ५ चान्दमल
प्र. नं २२
१९३५/२०१६

०२०५ २०१७

पत्रावली प्रकाशक वणीस पद्मकारा
अनुपलब्धता के लिये पत्रों में अधिकतर
एवं पत्रों में जो आवाज देता है
जब जानु उपस्थित नहीं आता
प्र. नं ५१.० अदम हलकी
अदम पत्रों में खरीज बिना
जाता है पत्रावली के लिये बुला
देना लम्बे से काम हो

०
२०१७

